भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

पशुपालन और डेयरी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 727

दिनांक 07 फरवरी, 2023 के लिए प्रश्न

पशुओं में बीमारी फैलना

727. **श्रीमती मंजुलता मंडल:**
श्री सी.एन.अन्नादुरई:
श्री जी.सेल्वम:
श्री धनुष एम.कुमार:

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने मवेशियों में बीमारी फैलने पर ध्यान दिया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और ओडिशा और तमिलनाडु राज्यों में विगत तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान मवेशियों में कौन-सी बीमारियां देखी गई हैं;

(ग) क्या सरकार ने मवेशियों में बीमारी फैलने के कारणों की जांच की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने किसानों द्वारा उनके बीमार मवेशियों की देखभाल पर किए गए व्यय की राशि की प्रतिपूर्ति की है और यदि हां, तो किसानों को कितनी धनराशि संवितरित की गई है; और

(ङ) क्या सरकार ने मवेशियों को बीमारी से बचाने के लिए उनका टीकाकरण शुरू कर दिया है और यदि हां, तो कितने मवेशियों का टीकाकरण किया गया है?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री

(श्री परशोत्तम रूपाला)

(क) से (ग): जी हां। ओडिशा और तमिलनाडु राज्यों में पिछले तीन वर्षों के साथ-साथ वर्तमान वर्ष के दौरान गोपाशुओं में देखे गए प्रमुख रोग खुरपका और मुंहपका रोग (एफएमडी), ब्रुसेलोसिस और लंपी त्वचा रोग (एलएसडी) हैं। जबकि एफएमडी और एलएसडी वायरल प्रकृति के हैं, ब्रुसेलोसिस जैवाणु जन्य है। हालाँकि, अन्य कारक भी हैं जैसे जैव-सुरक्षा, पशु की आवाजाही और पशु स्वच्छता से संबंधित मामले, जो पशुओं को रोगों के प्रति संवेदनशील बनाते हैं। पशुपालन और डेयरी विभाग, भारत सरकार पशु रोगों के लिए रोगनिरोधी टीकाकरण द्वारा पशु स्वास्थ्य के जोखिम को कम करने के उद्देश्य से सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एलएचडीसीपी) लागू करता है।

(घ): जी नहीं। पशुपालन राज्य का विषय है और वर्तमान में ऐसी कोई केंद्रीय योजना नहीं है जो बीमार गोपशुओं की देखभाल के दौरान किसानों द्वारा किए गए खर्च की प्रतिपूर्ति करती हो।

(ङ): एलएसडी के लिए चल रहे टीकाकरण के तहत और राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम (एफएमडी और ब्रुसेलोसिस के लिए) के तहत टीके लगाए गए गोपशुओं की संख्या **अनुबंध 1** में संलग्न है।

अनुबंध 1

एलएसडी टीकाकरण विवरण:

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का नाम	एलएसडी के लिए टीका लगाए गए गोपशु
गुजरात	63,19,005
हिमाचल प्रदेश	7,34,830
पंजाब	9,21,615
राजस्थान	1,08,39,126
उत्तराखंड	6,96,811
मध्य प्रदेश	37,04,903
जम्मू और कश्मीर	19,64,241
उत्तर प्रदेश	1,57,87,400
हरियाणा	17,36,348
महाराष्ट्र	1,42,31,372
गोवा	21,895
पश्चिम बंगाल	2,600
आंध्र प्रदेश	1,33,886
दिल्ली	25,067
बिहार	91,95,419
तमिलनाडु	1,21,700
झारखंड	1,76,274
कर्नाटक	1,01,01,343
तेलंगाना	32,06,369
केरल	1,64,782
छत्तीसगढ	2,474
ओडिशा	41,11,500
सिक्किम	290
कुल	**8,41,99,250**

अनुबंध 1 (जारी)

खुरपका और मुंहपका रोग (एफएमडी) टीकाकरण विवरण **02/02/2023 तक**

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का नाम	टीकाकरण किए गए (गोपशु और भैंस) कुल पशु
आंध्र प्रदेश	94,63,031
छत्तीसगढ	88,49,702
केरल	11,93,930
मध्य प्रदेश	1,98,62,012
ओडिशा	91,97,817
तमिलनाडु	86,33,141
तेलंगाना	61,17,715
पुदुचेरी	58,262
बिहार	1,89,84,982
गोवा	53,548
हिमाचल प्रदेश	17,10,732
झारखंड	22,43,602
कर्नाटक	99,45,846
महाराष्ट्र	1,68,78,945
राजस्थान	1,03,90,516
उत्तर प्रदेश	4,30,01,587
दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव	17,099
गुजरात	1,58,87,385
अरुणाचल प्रदेश	1,60,000
असम	60,36,119
हरियाणा	52,82,852
मणिपुर	2,38,282
मेघालय	3,62,873
मिजोरम	14,375
नागालैंड	45,788
पंजाब	58,61,674
सिक्किम	75,030
त्रिपुरा	4,38,037
उत्तरांचल	19,00,594
पश्चिम बंगाल	1,29,99,219
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	8,247
चंडीगढ़	18,900
दिल्ली	1,30,469
जम्मू और कश्मीर	25,76,449
लद्दाख	82,055
लक्षद्वीप	942
कुल	**21,87,21,757**

ब्रुसेलोसिस **02/02/2023 तक**

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का नाम	टीकाकरण किए गए (बोवाईन बछडियां) कुल पशु
दादर और नगर हवेली	469
ओडिशा	4,49,000
गुजरात	7,31,125
चंडीगढ़	2,300
हरियाणा	2,01,516
तेलंगाना	4,08,396
दिल्ली	14,976
मणिपुर	15,506
मिजोरम	910
कर्नाटक	8,93,146
सिक्किम	4,671
पश्चिम बंगाल	21,55,910
पंजाब	2,33,860
लद्दाख	4,283
उत्तराखंड	1,71,217
मेघालय	12,365
त्रिपुरा	10,318
मध्य प्रदेश	30,69,123
झारखंड	6,35,028
छत्तीसगढ	3,49,418
नागालैंड	2,132
आंध्र प्रदेश	9,75,361
गोवा	1,195
उत्तर प्रदेश	56,23,881
जम्मू और कश्मीर	1,01,846
महाराष्ट्र	3,74,523
अरुणाचल प्रदेश	10,304
असम	3,74,664
हिमाचल प्रदेश	60,543
केरल	25,923
कुल	**1,69,13,909**